जानकारियों को साइबर अटैक से सुरक्षित रखना जरूरी: मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने योजना भवन में राज्य सरकार तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, एनईजीडी के आपसी समन्वय में आयोजित 'स्टेट लीडरशिप वर्कशाप ऑन साइबर सिक्योरिटी' में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यशाला में साइबर अपराध, डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा बढ़ाने में एआई और डिजिटल संभावित खतरों के बारे में विस्तृत एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस मौके पर मुख्य सचिव द्वारा साइबर सुरक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में हमारी व्यक्तिगत, संस्थागत और वित्तीय जानकारियां ऑनलाइन होती हैं, जिन्हें साइबर हमलों से सुरक्षित बनाये रखना अति आवश्यक है। कार्यशाला में प्रमुख साइबर विशेषज्ञों और सुरक्षा अधिकारियों द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर व्यावहारिक चर्चा की गई। प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के बेसिक प्रोटोकॉल्स, पासवर्ड सुरक्षा, सोशल मीडिया सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और डेटा एन्क्रिप्शन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। साइबर सुरक्षा हेतु रोकथाम के उपाय एवं किसी साइबर हमले की दशा में सूचना साझा करने की प्रक्रिया बताई की गयी। उपस्थित प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे उपयोगी बताया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को साइबर सिक्योरिटी पर और अधिक जागरूक किया जाना है, ताकि वह अपने यहां स्थापित आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु उचित कार्यवाही करें एवं साइबर थ्रेट्स की संभावनाओं को कम करते हुए अपने यहां साइबर रिज़िल्यन्स इकोसिस्टम को सृजित करें।

कार्यशाला में प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अनिल कुमार सागर, अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा, विशेष सचिव नेहा जैन, सीईआरटी-इन से साइंटिस्ट-जी वीवी राव, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से राकेश माहेश्वरी, एनआईसी के हितेन सिंह व संदीप सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।